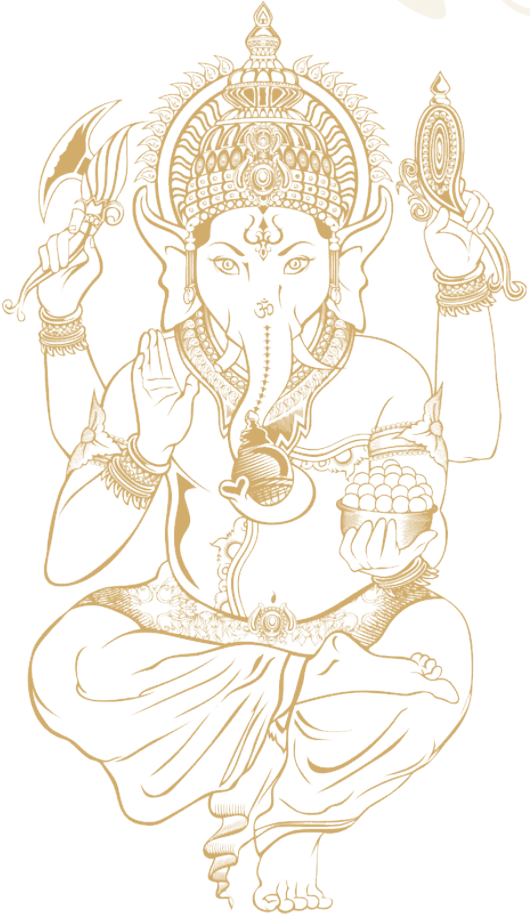

Atul Sharma

28 Aug 1997

07:52 PM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121327602

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 28/08/1997**
दिन	: गुरुवार
जन्म समय	**: 19:52:00 घंटे**
इष्ट	: 34:33:44 घटी
स्थान	**: Jammu**
राज्य	: Jammu and Kashmi
देश	: India

अक्षांश	: 32:42:00 उत्तर
रेखांश	: 74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 19:21:28 घंटे
वेलान्तर	: -00:01:16 घंटे
साम्पातिक काल	: 17:48:50 घंटे
सूर्योदय	: 06:02:30 घंटे
सूर्यास्त	: 19:00:26 घंटे
दिनमान	: 12:57:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 11:29:07 सिंह
लग्न के अंश	: 01:57:53 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**: मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**: पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	: गुरु
योग	: व्यतिपात
करण	: बालव
गण	: देव
योनि	: मार्जार
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मार्जार
युँजा	: मध्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: के-केवल
पाया(राशि-नक्षत्र)	: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	01:57:53	544:22:39	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
सूर्य			सिंह	11:29:07	00:57:59	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मूलत्रिकोण
चंद्र			मिथु	22:56:49	12:20:43	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
मंगल			तुला	15:07:42	00:38:36	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	सम राशि
बुध	व	अ	सिंह	17:07:07	00:53:43	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
गुरु	व		मक	20:47:59	00:06:50	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शुक्र			कन्या	19:11:28	01:10:45	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	नीच राशि
शनि	व		मीन	25:55:45	00:02:39	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु	व		सिंह	25:58:42	00:01:46	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	25:58:42	00:01:46	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	11:45:12	00:01:58	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
नेप	व		मक	03:47:58	00:01:12	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	09:04:06	00:00:31	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	03:36:59	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:26

लग्न-चलित

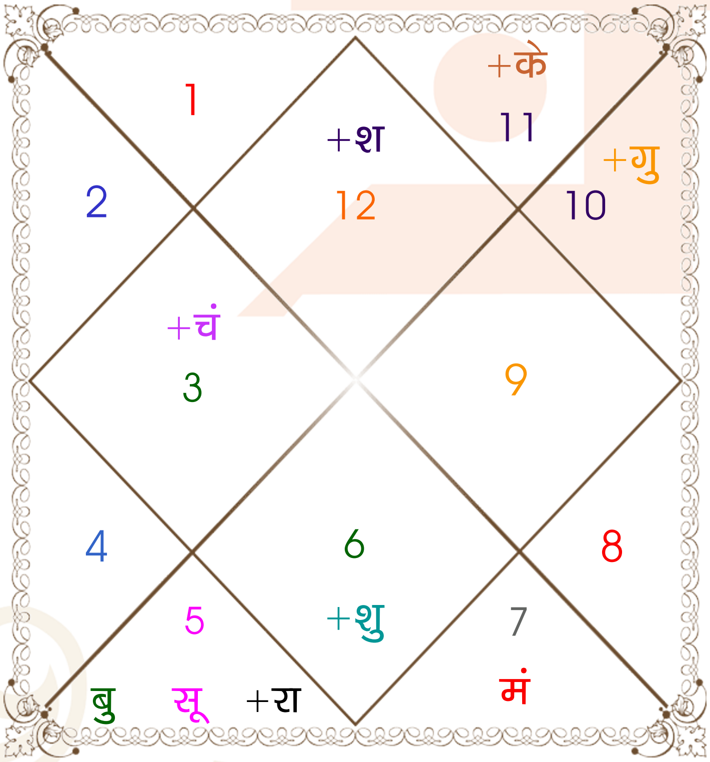

चन्द्र कुंडली

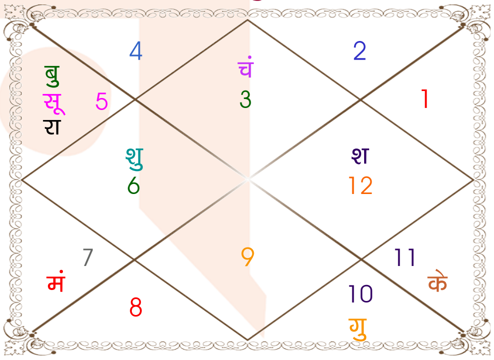

नवमांश कुंडली

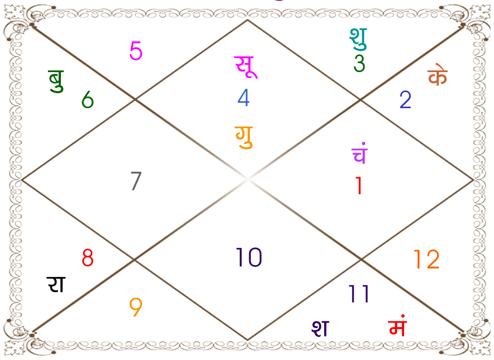

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 12 वर्ष 5 मास 17 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
28/08/1997	**14/02/2010**	**13/02/2029**	**14/02/2046**	**13/02/2053**
14/02/2010	**13/02/2029**	**14/02/2046**	**13/02/2053**	**13/02/2073**
28/08/1997	शनि 16/02/2013	बुध 13/07/2031	केतु 13/07/2046	शुक्र 15/06/2056
शनि 15/10/1998	बुध 28/10/2015	केतु 09/07/2032	शुक्र 12/09/2047	सूर्य 15/06/2057
बुध 20/01/2001	केतु 05/12/2016	शुक्र 10/05/2035	सूर्य 18/01/2048	चंद्र 14/02/2059
केतु 27/12/2001	शुक्र 05/02/2020	सूर्य 16/03/2036	चंद्र 18/08/2048	मंगल 15/04/2060
शुक्र 27/08/2004	सूर्य 17/01/2021	चंद्र 15/08/2037	मंगल 14/01/2049	राहु 16/04/2063
सूर्य 15/06/2005	चंद्र 18/08/2022	मंगल 12/08/2038	राहु 01/02/2050	गुरु 15/12/2065
चंद्र 15/10/2006	मंगल 27/09/2023	राहु 01/03/2041	गुरु 08/01/2051	शनि 13/02/2069
मंगल 21/09/2007	राहु 03/08/2026	गुरु 07/06/2043	शनि 17/02/2052	बुध 15/12/2071
राहु 14/02/2010	गुरु 13/02/2029	शनि 14/02/2046	बुध 13/02/2053	केतु 13/02/2073

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
13/02/2073	**14/02/2079**	**13/02/2089**	**14/02/2096**	**15/02/2114**
14/02/2079	**13/02/2089**	**14/02/2096**	**15/02/2114**	**00/00/0000**
सूर्य 03/06/2073	चंद्र 15/12/2079	मंगल 13/07/2089	राहु 27/10/2098	गुरु 04/04/2116
चंद्र 03/12/2073	मंगल 15/07/2080	राहु 31/07/2090	गुरु 23/03/2101	शनि 29/08/2117
मंगल 09/04/2074	राहु 14/01/2082	गुरु 07/07/2091	शनि 28/01/2104	00/00/0000
राहु 04/03/2075	गुरु 16/05/2083	शनि 15/08/2092	बुध 16/08/2106	00/00/0000
गुरु 21/12/2075	शनि 15/12/2084	बुध 12/08/2093	केतु 04/09/2107	00/00/0000
शनि 02/12/2076	बुध 16/05/2086	केतु 08/01/2094	शुक्र 04/09/2110	00/00/0000
बुध 09/10/2077	केतु 15/12/2086	शुक्र 10/03/2095	सूर्य 29/07/2111	00/00/0000
केतु 14/02/2078	शुक्र 15/08/2088	सूर्य 16/07/2095	चंद्र 27/01/2113	00/00/0000
शुक्र 14/02/2079	सूर्य 13/02/2089	चंद्र 14/02/2096	मंगल 15/02/2114	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 5 मा 26 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके द्वारा यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भावुक एवं स्वेच्छाचारी प्रवृति के प्राणी हैं। आपका जन्मफल ऐसा सूचित कर रहा है कि आपका जीवन अत्यंत आनंद पूर्वक अपनी प्रेमिका एवं सुरा से युक्त जीवन यापन करेंगे। अर्थात् आपको सुरा और सुंदरी से लगाव रहेगा।

आप प्रेम लीला को प्रथम सर्वोच्च स्थान देते हैं। आप सुंदर, मनोहर, प्रतिभाशाली एवं बुद्धिमती स्त्री को पसंद करते हैं। आपके जीवन का उद्देश्य एवं मुख्य अभिरूचि प्रेम-संबंध स्थापित करना है। इसके पश्चात अति धनी बनने के प्रति अभिरूचि रखेंगे। आप अपने जीवन संगिनी के चयन हेतु कन्या एवं कर्क राशि या जन्म लग्न के जातकों में से किसी का भी चयन करना चाहिए।

आपका संबंध आपको बिस्तर पर लेटने वाली संगिनी के साथ रहेगा। इसके पश्चात् आप अन्यों के साथ भी मिलते जुलते अर्थात् सम्मिलित रहेंगे। आप दोनों पक्ष के लिए सशंकित रहोगे। यदि आप इर्ष्यायुक्त होकर अपने विचार से किसी को निर्वासित कर दिए तो आप बहुत आनंदपूर्वक घरेलू जीवन व्यतीत कर सकेंगे तथा अच्छी प्रकार प्रिय संतान से युक्त हो जाओगे।

आपका अन्य पक्ष यह है कि आप सतर्कता पूर्वक अपने मित्रों का चयन करने में अग्रसर होंगे। इसके पश्चात आप वहिर्गामी हो कर विश्वसनीयता एवं तत्परता से युक्त होंगे। इसके पश्चात आप मन ही मन यह अनुभव करोगे कि वे लोग आपकी कार्य-योजना में आपके साथ कोई धोखा धड़ी किए है। इस प्रकार की संभावित घटनाओं के पूर्व मित्रमंडली का उत्कर्षण आवश्यक है। उत्कर्षित मित्र बनाना भी नितांत आवश्यक है।

आप बुद्धिमत्ता पूर्वक धन उपार्जन कर, धन प्रदान करेंगे। आप धन का संचय कर व्यवसाय कर सकते हों। आप अपने लिए सुगमता पूर्वक धन प्राप्त करने के सुगम पथ का परित्याग कर कठिन श्रम से अपने कर्म उद्देश्य के प्रति समर्पण की भावना से युक्त होंगे। अब के बाद निश्चित रूप में मद्यपान के प्रति अपनी आशक्ति रोगादि को आमंत्रित करेंगे। जैसे गैस्टिक दिक्कते, क्षय रोगादि। हृदय संबंधी दिक्कतों से सदैव आक्रांत रहेंगे। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु निश्चित रूप से मद्यपान का परित्याग करें। इस प्रवृति को स्वीकार करने से आपकी आलोचना होगी। अतएव मद्यपायी प्रवृति को त्याग दें।

आपके मीन राशि वाले द्वि स्वाभात्मक प्राणी होते है। आप अन्यों के विचार से एक पहेली है जैसा कि अपने लिए भी हैं। कई बार अन्य लोग आपके बारे में समझ नहीं पाते है। वे लोग आपके लक्ष्य के संबंध में नहीं समझ पाते हैं। आपकी विभिन्न अवस्थाओं का मूल्यांकन करना उनके लिए सरल नहीं है। आप सदैव कल्पना लोक में विचरण करते हो। इस प्रकार की बातों का सत्यता से कोई संबंध नहीं है। यह आपकी समस्याओं को स्वीकार करता है। अतएव आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एकदम आश्वस्त नहीं है। आप इस प्रकार अनिश्चितता एवं हतोत्साहित हो सकते हैं। फलस्वरूप आप पीछे रह जाओगे तथा आपका विश्वास दूसरों के द्वारा

सामंजस्य पूर्ण बन जाएगा तथा प्रतिज्ञा करना पड़ेगा। इस प्रकार आप अपनी अभिलाषा के अनुरूप सुव्यवस्थित हो कर निश्चित रूप से आरामदायक जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

मीन राशीय प्रभाव के पीछे केंद्रीय बिंदु यह है कि आप गुह्य विद्या, रहस्यात्मक, व्यापार संघ, ध्यान साधना एवं मनोवैज्ञानिक के रूप में व्यवसाय अपना सकते हैं। मीन राशीय प्रभाव से आप धार्मिक कार्य के पीछे समर्पित रहेंगे तथा धर्म नेता के रूप में उत्सुक हो कर माननीय बंधन से मुक्त हो सकते हैं। आपका अंतिम लक्ष्य आपकी कल्पना शक्ति के अनुसार मोक्ष प्राप्त करना अथवा उद्धार हो कर यथार्थ रूप से सामरिक अस्तित्व को पुनः प्राप्त नहीं करें। अर्थात् पुर्नजन्म न हो ऐसा है।

आप अपनी बुद्धि के अनुसार चाहे जो भी उसी कार्य के प्रति पीछे पड़ जाते हैं तथा कठिन श्रम करेंगे तथा संबंधित लाभांश भी प्राप्त करेंगे। आपके लिए काल्पनिक अर्थात् आदर्श कार्य व्यवसाय, प्रशासनिक पदाधिकारी अथवा सरकारी विभाग उपयुक्त है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में रविवार, गुरुवार, मंगलवार का दिन उच्चस्तरीय अनुकूलता से युक्त है। परंतु इसके अतिरिक्त बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली हैं। परंतु 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल हैं।

आपके लिए लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग सुखद एवं लाभदायक है, परंतु रंग हरा, क्रीम एवं सफेद रंग आपके जीवन साथी के लिए अनुकूल है। आप नीले रंग का व्यवहार न करें।